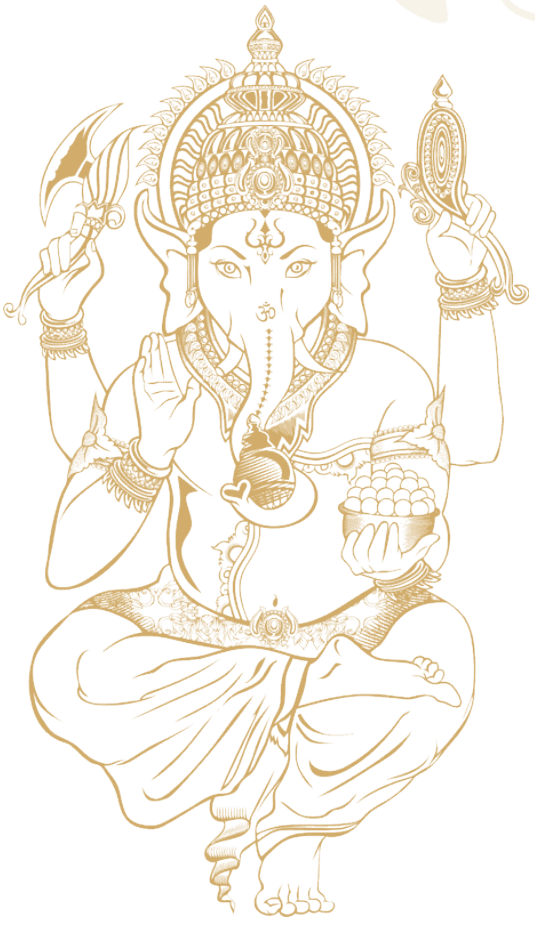

Saurabh

Dipti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121945506

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/09/1998	जन्म तिथि	6-07/07/2002
शुक्रवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 17:12:00	जन्म समय	01:50:00 घंटे
घटी 28:03:52	जन्म समय(घटी)	50:48:44 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Morena
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	26:30:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	78:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:58:27	सूर्योदय	05:30:10
18:35:11	सूर्यास्त	19:14:27
23:50:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:15

विंशोत्तरी चन्द्र 1वर्ष 6मा 7दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 5मा 7दि
गुरु 13/03/2025 13/03/2041	22:42:25	मक	लग्न	मेष	25:19:50	राहु 13/12/2020 13/12/2038
	17:54:34	सिंह	सूर्य	मिथु	20:41:28	
	21:18:16	मक	चंद्र	वृष	06:48:21	
	15:33:34	कर्क	मंगल	कर्क	01:44:19	
गुरु 01/05/2027	00:38:34	सिंह	बुध	मिथु	05:00:58	राहु 26/08/2023
शनि 12/11/2029	00:44:35	मीन व	गुरु	कर्क	00:20:47	गुरु 19/01/2026
बुध 18/02/2032	03:17:50	सिंह	शुक्र	सिंह	01:32:32	शनि 25/11/2028
केतु 24/01/2033	09:27:20	मेष व	शनि	वृष	28:04:01	बुध 14/06/2031
शुक्र 25/09/2035	07:39:16	सिंह	राहु	वृष	23:48:42	केतु 01/07/2032
सूर्य 13/07/2036	07:39:16	कुंभ	केतु	वृश्चि	23:48:42	शुक्र 02/07/2035
चन्द्र 12/11/2037	15:44:03	मक व	हर्ष व	कुंभ	04:30:20	सूर्य 26/05/2036
मंगल 19/10/2038	05:54:25	मक व	नेप व	मक	16:22:38	चन्द्र 25/11/2037
राहु 13/03/2041	11:33:45	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:38:12	मंगल 13/12/2038

लग्न-चलित

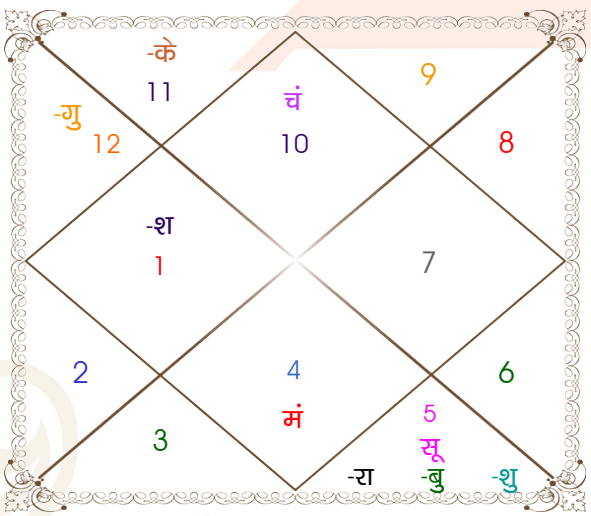

लग्न-चलित

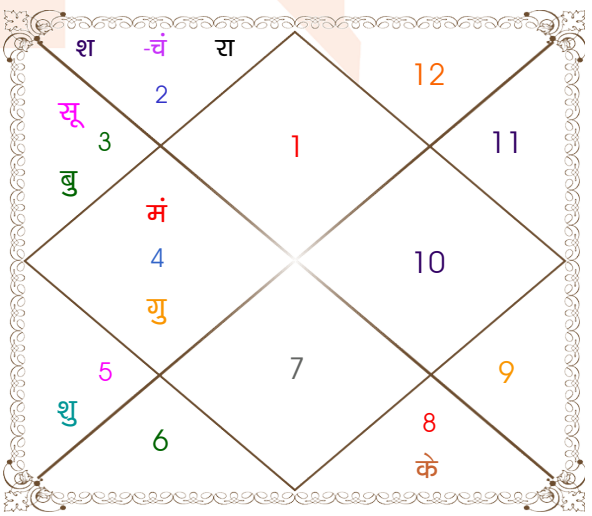

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	मेष	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	11.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि ैनतंड़ी का नक्षत्र श्रवण है।

ैनतंड़ी का वर्ग मार्जार है तथा क्पचजप का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ैनतंड़ी और क्पचजप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनतंड़ी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतु: सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल ैनतंड़ी कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ैनतंड़ी कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ैनतंझी कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्पचजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतु: सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्पचजप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल क्पचजप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु क्पचजप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि ैनतंझी कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनतंझी तथा क्पचजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।